**भारत सरकार**

**कोयला मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1995**

**जिसका उत्‍तर 28 जुलाई, 2014 को दिया जाना है**

**dks;yk fofu;ked izkf/kdj.k**

**1995 Jh vEcsFk jktu %**

D;k **dks;yk ea=h** ;g crkus dh d`ik djsaxs fd%

**¼d½** D;k ljdkj dks;yk {ks= gsrq dks;yk fofu;ked izkf/kdj.k dk xBu djus dk fopkj j[krh gS(

**¼[k½** ;fn gka] rks ,sls izkf/kdj.k ds xBu ds D;k dkj.k gSa( vkSj

**¼x½** bl fn'kk esa ljdkj }kjk dh xbZ izxfr dk C;kSjk D;k gS\

**उत्‍तर**

**कोयला, विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री पीयूष गोयल)**

**(क)से(ग):** विभिन्‍न स्‍टेकधारियों तथा संबंधित मंत्रालयों/ विभाग के साथ विस्‍तृत परामर्श के बाद कोयला क्षेत्र में संसाधनों को विनियमित करने और उन्‍हें संरक्षित करने, कोयले के उपभोक्‍ताओं एवं कोयला उत्‍पादकों के हितों की रक्षा करने और उससे संबंधित मामलों के लिए 13.12.2013 को कोयला विनियामक प्राधिकरण विधेयक, 2013 लोक सभा में प्रस्‍तुत किया गया था ।

अधिनियमन लंबित होने के कारण, 04.03.2014 को सरकारी संकल्‍प के माध्‍यम से एक गैर-सांविधिक कोयला विनियामक अधिसूचित किया गया था ।

15वीं लोक सभा भंग होने के साथ ही लोक सभा में प्रस्‍तुत विधेयक समाप्‍त हो गया ।

**-------**